आयुर्वेद में पाचन ग्रंथि (पेनक्रियाज) की सूजन का सफलतम उपचार
वी.यू. डॉ. बालेन्दु प्रकाश का व्याख्यान

आज नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में पदम श्री पुरस्कार प्राप्त वैध डॉ. बालेन्दु प्रकाश के व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कुछ लाइलाज एवं जीर्ण बीमारियों का इलाज आर्युवेद में संभव है। अब समय आ गया है कि आर्युवेद दवाइयों पर अधिक शोध हो, उनके असर, विपरीत प्रभाव आदि के बारे में वैधता प्रमाणित की जा सके तथा विटिरीनरी साइंस में भी आयुर्वेद का उपयोग किया जा सकें।

मुख्य वक्ता डॉ. बालेन्दु प्रकाश वैध (पदम श्री पुरस्कार, उत्तराखंड गौरव सम्मान, प्राणाचार्य दून रत्न, नेशनल सिटीजन आवर्ड प्राप्त) ने कहा कि यदि आर्युवेद दवाओं को उचित मात्रा में सेवन की जाये तो इलाज संभव है अन्यथा स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पडेगा। उन्होंने अभी तक पाचन ग्रंथि की सूचन के 570 मरीजों को स्वस्थ कर दिया है। डॉ. बालेन्दु प्रकाश ने एलर्जिक राइनाटिस बीमारी के इलाज एवं रोकथाम हेतु विस्तत रूप से चर्चा की।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मेजर जनरल डॉ. चंद्र किशार जखमोला ने बताया कि अभी देश में लगभग 1000 थेरेपीस उपलब्ध है। समय आ गया है कि हम सब मिलकर यह खोज करें कि बीमारी क्यों होती है, इसका कारण खोजें एवं सफलतम उपचार का अविष्कार करें।

कार्यक्रम में डॉ. वाय.पी. साहनी, डॉ. जी.पी. पाण्डेय डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. जे.क. भारद्वाज, डॉ. एस.के जोशी, डॉ. मधु स्वामी सहित समस्त विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. जायसी जोगी ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर